दिनांकः 14.03.2025 समय : 09:00 ए.एम.

प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर

- सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा–वेव्स प्लेटफॉर्म विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों को मंच प्रदान कर सशक्त बनाएगा।
- कोटा जिले में पाटली नदी के जीर्णोद्धार का काम शुरू–विलुप्त हुई नदी को पुनर्जीवित करने का काम दो चरणों में पूरा किया जाएगा।
- प्रदेशभर में रंगों के त्यौहार धुलंडी की धूम–रंग और गुलाल के साथ लोग होली का आनन्द ले रहे हैं।
- राज्य में अलवर, डीग, भरतपुर, नागौर सहित कई जिलों में बारिश–कुछ स्थानों पर ओले भी गिरे।

000

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने **विश्व दृश्य–श्रव्य और मनोरंजन शिखर सम्मेलन–वेव्स 2025** के तहत क्रिएटर अर्थव्यवस्था के लिए एक अरब डॉलर के फण्ड की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 1 से 4 मई तक मुंबई में होने वाला यह कार्यक्रम क्रिएटर समुदाय को एक मंच प्रदान करेगा। श्री वैष्णव ने कल नई दिल्ली में **वेव्स** पर सत्र को संबोधित किया। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को शामिल करने के उद्देश्य से इस उच्च स्तरीय सत्र का आयोजन किया गया था। श्री वैष्णव ने यह भी बताया कि पहला **भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान–आई.आई.सी.टी.** मुंबई में बनाया जाएगा।

.....

विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने इस अवसर पर कहा कि वेव्स मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए चर्चा, सहयोग और नवाचार को बढ़ाने के महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा।

000

शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कल कोटा में पाटली नदी के पुनरुद्धार कार्य का शुभारंभ किया। जुल्मी में हुए इस कार्यक्रम के जरिए नदी की तलछट में जमे मलबे को निकाला जाएगा। इसके साथ ही नदी के किनारों को भी साफ कर मजबूत किया जाएगा। विलुप्त हो चुकी पाटली नदी को पांच करोड़ रुपये की लागत से पुनर्जीवित किया जाएगा।
श्री दिलावर ने बताया कि पाटली नदी इस क्षेत्र की ताकली नदी से भी बड़ी है। पाटली नदी की अनदेखी होने, इसमें आसपास की खदानों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ डालने से नदी का प्राकृतिक बहाव अवरुद्ध हुआ है और नदी अपना मूल स्वरूप खो चुकी है।
नदी का जीर्णोद्धार होने से बाढ़ के पानी से आसपास के खेतों की फसल खराब नहीं होगी। नदी के किनारों पर घाट बनाए जाएंगे। इसके साथ ही जल भराव के लिए संरचनाओं का निर्माण भी करवाया जाएगा। ये परियोजना दो चरणों में पूरी होगी। प्रथम चरण के बाद रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के 21 गांवों की 4 हजार 380 हेक्टेयर भूमि को लिफ्ट से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। दूसरे चरण के पूरा होने पर रामगंजमंडी के 19 गांवों की 2 हजार 670 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इस तरह परियोजना के माध्यम से कुल 40 गांवों को सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा। श्री दिलावर ने राजीविका से जुड़े स्वयं सहायता समूहों से गांवों की सफाई की जिम्मेदारी संभालने का भी आह्वान किया।

000

प्रदेशभर में आज रंगों के त्यौहार होली की धूम है। परम्परागत उल्लास के साथ धुलंडी का पर्व मनाया जा रहा है।

.....

होली त्यौहार वसंत ऋतु के आगमन और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। चारों ओर रंग गुलाल से खिले चेहरे नजर आ रहे हैं। लोग एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर होली की बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। मंदिरों में भी दर्शनार्थियों की कतारें देखी जा रही हैं। करौली जिले के मदन मोहन मंदिर में अल सुबह शुरू हुआ तिलक होली का सिलसिला जारी है। पाली

में भगवान कृष्ण की शोभायात्रा निकाली जा रही है। तीर्थ नगरी पुष्कर में अंतर्राष्ट्रीय होली महोत्सव की छटा बिखरी है।
हमारी संवाददाता ने बताया कि लोग टोलियों में धुलंडी का आनन्द ले रहे हैं।

ब्रज क्षेत्र भरतपुर में भी होली की अलग ही रौनक छाई हुई है। चारों तरफ रंग अबीर और गुलाल से सराबोर हुरियारों की टोलियां नजर आ रही हैं। चंग और ढोल की थाप पर तो कहीं–कहीं स्वांग रचकर होली की उमंग बनी हुई है। उधर, बालोतरा में ढूंढोत्सव के साथ रंगों का अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है।
सवाईमाधोपुर भी होली के रंगों के साथ सैलानियों से सराबोर है। रणथम्भौर में पर्यटकों की अच्छी आवक हुई है। स्वर्ण नगरी जैसलमेर की होली रंगों के साथ अपनी अनूठी परम्पराओं के लिए प्रसिद्ध है। हमारे संवाददाता ने बताया कि स्थानीय लोग और सैलानी होली का आनन्द ले रहे हैं। वहीं सरहद पर सीमा प्रहरियों में होली के पावन पर्व का उल्लास है।

प्रदेशभर में कल देर रात श्रद्धाभाव के साथ होलिका दहन किया गया। धौलपुर, जैसलमेर, बालोतरा, पाली, भीलवाडा, कोटपूतली–बहरोड़, श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, चित्ताडगढ, हनुमानगढ, जालौर, चूरू, कोटा में होलिका दहन कर सुख समृद्धि की कामना की गई। होली के मौके पर नागौर में रंगोत्सव के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कई पारम्परिक खेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। और ब्यौरा हमारे संवाददाता से –

नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश में एक बार फिर मौसम का मिज़ाज बदला है। बीते 24 घंटों में अलवर, भरतपुर, डीग, नागौर और जयपुर सहित कई जिलों में बारिश हुई। कुछ जगह आंधी भी चली। चौमूं में अंधड़ के साथ ओले गिरने के समाचार हैं। वहीं सीकर में भी कल दोपहर बाद तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। कोटपूतली–बहरोड़ क्षेत्र में भी कल दोपहर मौसम ने करवट बदली।
हमारे संवाददाता ने बताया कि तेज धूप के बाद अचानक घने बादल छाए और शाम के समय गोवर्धनपुरा तथा रघुनाथपुरा इलाके में ओले गिरे।

000